First Year Syllabus for Skill Enhancement Course

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: सर्टिफिकेट		कक्षा : स्नातक स्तर	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26
विषय: चिकित्सीय निदान				
1.	पाठ्यक्रम का कोड			
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	चिकित्सीय निदान		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम		
4.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी संकाय से 12वीं कक्षा (या समकक्ष) उत्तीर्ण होना चाहिए।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. शास्त्रीय ग्रंथों से अंतर्दृष्टि सहित पारंपरिक भारतीय निदान प्रणालियों की उत्पत्ति, प्रासंगिकता और मूल अवधारणाओं का पता लगाना। 2. स्वास्थ्य मूल्यांकन में त्रिदोष सिद्धांत, नाड़ी परीक्षा और अष्ट स्थान परीक्षा जैसी प्रमुख प्राचीन विधियों को समझना और लागू करना। 3. रक्त, मूत्र और बुनियादी इमेजिंग प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए आधुनिक निदान की मूलभूत तकनीकों को सीखना। 4. संक्रामक और गैर-संक्रामक दोनों रोगों की पहचान करने में उपयोग किए जाने वाले नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों को निष्पादित करना और उनकी व्याख्या करना। 5. रोग मूल्यांकन के लिए नैदानिक उपकरणों का उपयोग करने और पारंपरिक और आधुनिक तरीकों की तुलना करने में व्यावहारिक कौशल विकसित करना।		
6.	अपेक्षित रोजगार/करियर के अवसर	**चिकित्सीय निदान स्नातक विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध रोजगार के अवसर:** 1. नैदानिक प्रयोगशाला प्रोद्योगिकीविद 2. नैदानिक चिकित्सीय सोनोग्राफर 3. नैदानिक आणविक वैज्ञानिक 4. चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन 5. औतिकिविद (हिस्टोपैथोलोजिस्ट) 6. विभिन्न शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी संगठनों के लिए लैब परामर्श सेवा, स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदाता बनने के लिए सशक्त बनाना		
7.	क्रेडिट मान	1		
8.	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: L-0-0		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या 15 (1 घंटा/ व्याख्यान)
I	चिकित्सा निदान एवं प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय चिकित्सा ग्रंथों का अवलोकन: चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय। रोग निदान में त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) की अवधारणा। आठ गुना परीक्षा	08

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)

28/6/25

	➢ ईएसआर, डीएलसी, एक्स-रे, हेपेटाइटिस बी आदि जैसे शब्दों के साथ एक क्विज़ या बिंगो गेम बनाएँ। ➢ चयनित बीमारियों के कारण, लक्षण, निदान, उपचार और रोकथाम की तुलना करते हुए एक चार्ट बनाएँ। ➢ कार्ड पर लिखे लक्षणों के साथ एक "मिस्ट्री बॉक्स" बनाएँ। प्रत्येक समूह एक कार्ड खींचता है और चर्चा करता है कि वे कौन से परीक्षण करेंगे। ➢ समूह किसी चयनित बीमारी (जैसे टीबी या हेपेटाइटिस) के लिए एक लघु स्वास्थ्य जागरूकता अभियान की योजना बनाते हैं।	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें :

1. P. Byadgi (2023) Parameswarappa's Textbook of Roga Nidan Evam Vikriti Vigyan vol-1, Chaukhambha publication.
2. **Vasant L. (2005). Secrets of the Pulse: The Ancient Art of Ayurvedic Pulse Diagnosis, India, Motilal Banarsidass Publishe,**
3. **Vedanta S.Y. (2018) Centre Practical Ayurveda Hardcover, DK Publisher**
4. **Gujjarwar V. (2018). A Text Book for Roga Nidana and Vikruthi Vijnana, Chaukhamba Surbharati Prakashan**
5. **Dwivedi G. V., (2014) Practical lab manuals from Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth, Chaukhambha Orientalia.**
6. **Sharma A K (2018). Diagnostic Methods of Ayurveda, Chaukamba Publishers**
7. Park, K. (2007), Preventive and Social Medicine, B.B. Publishers
8. Godkar P.B. and Godkar D.P. Textbook of Medical. Laboratory Technology, II Edition, Bhalani Publishing House
9. Robbins and Cortan, Pathologic Basis of Disease, VIII Edition, Saunders
10. Kanai Mukherjee, Medical Laboratory Techniques Vol-I, II, III,Tata MC Graw Hill Publishing company
11. Prakash, G. (2012), Lab Manual on Blood Analysis and Medical Diagnostics, S. Chand and Co. Ltd
12. S. Ranade, R. R. Deshpande, S. Chobhe (2024). Textbook of Kriya Sharira: Sharira-Kriya Vijnan-Human Physiology- As per NCISM Syllabus, New Delhi (Set of 2 Volumes), India, Chaukhamba Sanskrit Pratishthan

अनुशंसित ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. **NCISM Ayurveda Prakriti Assessment Forms: https://namayush.gov.in/sites/default/files/doc/Prakriti_Questionnaires.pdf**
2. **Sharma R., Amin H., Galib, Prajapati P. K. ASTASTHANA PARIKSHA - A DIAGNOSTIC METHOD OF YOGARATNAKARA AND ITS CLINICAL IMPORTANCE, GJRMI, 1, 5, May 2012, 186–201**
3. **Kulkarni P. H. NCISM Practical case history forms (Rogi-Roga format)**
4. **Subbarayappa B. V. The roots of ancient medicine: an historical outline. J.Biosci. 26, 2, 2001, 135-144**
5. **SEBASTIAN C.D. Ayurveda and the medical knowledge in ancient India: Shadows and Realities, Indian J Med Ethics, VII, 1, 2022**
6. **Shrivastava S. INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM AND MEDICAL SCIENCE: A REVIEW. Int. J. Multidisc. Edu. Res. 14, 3(1), 2025**

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

1. https://www.skillstat.com/tools/ecg-simulator
2. https://www.youtube.com/watch?v=ZoGfQM5JCnI

25/6/25

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)

First Year Syllabus for Skill Enhancement Course

Part A- Introduction			
कार्यक्रम: सर्टिफिकेट	कक्षा: स्नातक स्तर	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26
विषय: चिकित्सीय निदान			

1.	Course Code	
2.	Course Title	चिकित्सीय निदान (प्रायोगिक)
3.	Course Type: (Core Course/ Elective/ Generic Elective/ Vocational)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (प्रायोगिक)
4.	Pre-requisite (if any)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी संकाय से 12वीं कक्षा (या समकक्ष) उत्तीर्ण होना चाहिए।
5	Course Learning outcomes (CLO)	अधिगम उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत छात्र निम्नलिखित आयामों को ज्ञान प्राप्त करेंगे– a) त्रिदोष सिद्धांत, नाड़ी रीडिंग और अष्ठस्थान परीक्षा परीक्षा द्वारा व्यक्तियों में दोष प्रभुत्व की पहचान करना। b) रोगी की स्थिति का आकलन करने के लिए प्राचीन आयुर्वेदिक निदान तकनीकों को समझना। c) रक्त विश्लेषण का अवलोकन करना। d) प्रयोगशाला उपकरणों का उपयोग करके रक्त जांच करना। e) आधुनिक निदान विधियों से प्राप्त परिणामों की तुलना आधुनिक उपकरणों से करना।
	Credit Value	2
	Total Marks :100	Max. Marks: 100 / Min. passing Marks: 35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures (in hours per week): 2 hours per week
Total Lectures: 30 hours

S. No.	Topics	No. of Lectures
1.	त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) की अवधारणा के आधार पर व्यक्ति के शारीरिक गठन का आकलन करना।	
2.	किसी स्वयंसेवक की अष्ठस्थान परीक्षा का अवलोकन तथा प्रलेखीकरण करना।	
3.	नाड़ी की विशेषताओं का निरीक्षण और रिकॉर्ड करना तथा दोषिक प्रभुत्व की पहचान करना।	
4.	पारंपरिक आयुर्वेदिक नैदानिक तकनीकों: दर्शन, स्पर्शन और प्रश्न का उपयोग करके किसी मामले का आकलन करना।	

25/6/25

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University, Chhatarpur (M.P.)

Part D- Assessment and Evaluation			
Suggested Continuous Evaluation methods:			
Internal assessment	**Marks**	**External Assessment**	**Marks**
Class Interaction /Quiz	—	Viva Voce on Practical	
Attendance	—	Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	—	Table work /Experiments	
TOTAL	—		100

Any remarks/ suggestions:

Assignments:

- ☑ त्रिदोष का उपयोग करके शरीर की संरचना का आकलन और रिकॉर्ड करें।
- ☑ नाड़ी और अष्ट स्थान परीक्षा करें और उसका दस्तावेजीकरण करें।
- ☑ एक मामले के लिए आयुर्वेदिक और आधुनिक निदान की तुलना करें।
- ☑ परिवार के सदस्यों/रिश्तेदारों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लें।
- ☑ परिवार के सदस्यों/रिश्तेदारों/पड़ोसियों के चिकित्सा इतिहास पर सर्वेक्षण करें।

28/6/25

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)

Department of Higher Education

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: L-0-0		
Unit	Topics	No. of Lectures 15 (1 Hour Each)
I	**Medical Diagnostic & Ancient Indian Knowledge Systems** Overview of Ancient Indian Medical Texts: Charaka Samhita, Sushruta Samhita, Ashtanga Hridaya. Concept of Tridosha (Vata, Pitta, Kapha) in disease diagnosis. Eight-fold examination (Ashta Sthana Pariksha): Nadi (pulse), Mootra (urine), Mala (stool), Jihva (tongue), Shabda (speech), Sparsha (touch), Drik (eyes), and Akruti (body build). Rog Pariksha and Rogi Pariksha (Disease and Patient Diagnosis). Diagnostic Methods in Ayurveda:Darshana (Observation), Sparshana (Palpation), Prashna (History-taking/Questioning). Nadi Pariksha (Pulse diagnosis), Siddha System of Diagnosis: Mukkuttram (Three Humors- Vali, Azhal, Iyyam), Yogic Framework: Panchakosha (Five Sheaths of Human Existence), Comparative analysis: Ancient vs. Modern diagnostic systems (principles, tools, and approaches) **Keywords:** Ayurveda, Diagnostic, . Tridosha, Panchakosha **Activities:** • Identify body types (Prakriti) through a guided questionnaire. • Role-play or group activity to perform Darshana, Sparshana, and Prashna methods. • Group debate or poster-making on "Can ancient and modern diagnostics work together?" • Simple Nadi Pariksha demonstration (non-clinical) • **Field Visit:** Visit an Ayurvedic clinic or diagnostic lab to observe real-world practices.	08
II	**Modern Medical Diagnostic Techniques and Clinical Investigations** Fundamentals of Medical Diagnostic Techniques, Medical Diagnostics of Body Fluids: Blood composition, Preparation of blood smear and Differential Leucocyte Count, (D.L.C) using	07

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)

10. Kanai Mukherjee, Medical Laboratory Techniques Vol-I, II, III,Tata MC Graw Hill Publishing company
11. Prakash, G. (2012), Lab Manual on Blood Analysis and Medical Diagnostics, S. Chand and Co. Ltd
12. S. Ranade, R. R. Deshpande, S. Chobhe (2024). Textbook of Kriya Sharira: Sharira-Kriya Vijnan-Human Physiology- As per NCISM Syllabus, New Delhi (Set of 2 Volumes), India, Chaukhamba Sanskrit Pratishthan

Suggested Readings:

1. **NCISM Ayurveda Prakriti Assessment Forms: https://namayush.gov.in/sites/default/files/doc/Prakriti_Questionnaires.pdf**
2. **Sharma R., Amin H., Galib, Prajapati P. K. ASTASTHANA PARIKSHA - A DIAGNOSTIC METHOD OF YOGARATNAKARA AND ITS CLINICAL IMPORTANCE, GJRMI, 1, 5, May 2012, 186–201**
3. **Kulkarni P. H. NCISM Practical case history forms (Rogi-Roga format)**
4. **Subbarayappa B. V. The roots of ancient medicine: an historical outline. J.Biosci. 26, 2, 2001, 135-144**
5. **SEBASTIAN C.D. Ayurveda and the medical knowledge in ancient India: Shadows and Realities, Indian J Med Ethics, VII, 1, 2022**
6. **Shrivastava S. INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM AND MEDICAL SCIENCE: A REVIEW. Int. J. Multidisc. Edu. Res. 14, 3(1), 2025.**

Suggested Weblinks:

1. https://www.skillstat.com/tools/ecg-simulator
2. https://www.youtube.com/watch?v=ZoGfQM5JCnI
3. https://www.youtube.com/watch?v=Qbnz4_qed9Q&t=276s
4. https://www.youtube.com/watch?v=djAxjtN_7VE
5. https://www.youtube.com/watch?v=9SUHgtREWQc&t=188s

Suggested equivalent online courses:

1. Nadi Pariksha modules – CCRYN or AYUSH portal
2. https://www.ravdelhi.nic.in/e-rsbk-module/rsbk-modules
3. https://www.skillstat.com/tools/ecg-simulator
4. https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc22_bt34/preview
5. https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc24_ge36/preview

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

University Exam (UE): 100 Marks

External Evaluation : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C)** : Long Questions

Any remarks/ suggestions:

25/6/25

Prof. Archana Jain
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)

11.	To measure pulse rate & blood pressure.	
12.	To determine ABO blood group & Rh factor	
13.	Urine analysis: By diagnostic tests (Heat test)	
14.	To identify and interpret common diagnostic imaging methods: X-Ray, MRI, CT scan, PET.	
15.	To estimate platelet, count in blood using a haemocytometer.	

Part C- Learning resources

Suggested Readings:

1. **Vasant L. (2005). Secrets of the Pulse: The Ancient Art of Ayurvedic Pulse Diagnosis, India, Motilal Banarsidass Publishe,**
2. **Vedanta S.Y. (2018) Centre Practical Ayurveda Hardcover, DK Publisher**
3. **Gujjarwar V. (2018). A Text Book for Roga Nidana and Vikruthi Vijnana, Chaukhamba Surbharati Prakashan**
4. **Dwivedi G. V., (2014) Practical lab manuals from Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth, Chaukhambha Orientalia.**
5. **Sharma A K (2018). Diagnostic Methods of Ayurveda, Chaukamba Publishers**
6. Park, K. (2007), Preventive and Social Medicine, B.B. Publishers
7. Godkar P.B. and Godkar D.P. Textbook of Medical Laboratory Technology, II Edition, Bhalani Publishing House
8. Robbins and Cortan, Pathologic Basis of Disease, VIII Edition, Saunders
9. Kanai Mukherjee, Medical Laboratory Techniques Vol-I, II, III,Tata MC Graw Hill Publishing company
10. Prakash, G. (2012), Lab Manual on Blood Analysis and Medical Diagnostics, S. Chand and Co. Ltd.

Suggested Equivalent online courses:

1. Nadi Pariksha modules – CCRYN or AYUSH portal
2. https://www.ravdelhi.nic.in/e-rsbk-module/rsbk-modules
3. https://www.skillstat.com/tools/ecg-simulator
4. https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc22_bt34/preview
5. https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc24_ge36/preview

Part D- Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation methods:

Internal assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	–	Viva Voce on Practical	
Attendance	–	Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)	–	Table work / Experiments	
TOTAL	–		100

Any remarks/ suggestions:

Assignments:

- Assess and record body constitution using Tridosha.
- Perform and document pulse and Ashta Sthana Pariksha.
- Compare Ayurvedic and modern diagnosis for one case.
- Ask HB of the family members/ relatives.
- Conduct survey on medical history of family members/ relatives/ neighbours

Prof. Archana Jain 23/6/25
SOS in Chemistry & Research Centre
Maharaja Chhatrasal Bundelkhand
University Chhatarpur (M.P.)